Resource: बाइबल कोश (टिंडेल)

Aquifer Open Bible Dictionary

This work is an adaptation of Tyndale Open Bible Dictionary © 2023 Tyndale House Publishers, licensed under the CC BY-SA 4.0 license. The adaptation, Aquifer Open Bible Dictionary, was created by Mission Mutual and is also licensed under CC BY-SA 4.0.

This resource has been adapted into multiple languages, including English, Tok Pisin, Arabic (عربي), French (Français), Hindi (हिंदी), Indonesian (Bahasa Indonesia), Portuguese (Português), Russian (Русский), Spanish (Español), Swahili (Kiswahili), and Simplified Chinese (简体中文).

बाइबल कोश (टिंडेल)

सन

स्नान, स्नान करना

स्नान, स्नान करना

जल से शुद्ध करना या स्वयं को धोना। बाइबल में "स्नान" और "धोने" जैसे शब्दों का अनुवाद कई अलग-अलग शब्दों से किया जाता है, और कई बार इनका परस्पर विनिमय किया जाता है। एक पुराने नियम के वचन में वस्त्र शुद्ध करने के लिए एक इब्रानी शब्द का उपयोग किया गया है, और अन्य वस्तुओं सहित शरीर को धोने के लिए दूसरा शब्द (लैव्य 15:8–12)।

इस्राएल की शुष्क जलवायु और पानी की कमी ने स्नान के कार्य को हतोत्साहित किया, सिवाय इसके कि जहाँ कोई नदी या कुण्ड उपलब्ध हो (2 रा 5:10; यूह 9:7)। फिर भी लोग जन्म के समय बच्चों को धोते थे (यहेज 16:4), गाड़ने की तैयारी में शवों को (प्रेरि 9:37), और भेड़ों को उनकी ऊन काटने के लिए (श्रे.गी. 6:6)। पूरे शरीर का बार-बार स्नान शायद धनवानों के लिए आरक्षित था (निर्ग 2:5)। लेकिन धूल की प्रचुरता ने चेहरे, हाथों और पाँवों को बार-बार धोने को आवश्यक बना दिया (उत 18:4; 19:2; 24:32; 43:24; न्या 19:21; श्रे.गी. 5:3)। विशेषाधिकार प्राप्त लोगों के लिए अच्छे अलंकरण की मांग थी कि शरीर को तेल से अभिषेक करने से पहले धोया जाए (रूत 3:3; 2 शमू 12:20; यहेज 23:41)। एक अच्छे पहुनाई करनेवाले अपने अतिथि के पैरों के लिए पानी प्रदान करते थे (उत 18:4; न्या 19:21; लूका 7:44; यूह 13:4–5)। किसी के पैरों को धोना एक सेवक का कार्य था। किसी और के लिए ऐसा करना नम्रता का संकेत था (1 शमू 25:41; लूका 7:44–47; यूह 13:3–16; 1 तीमु 5:10)।

अधिकांश बाइबिल संदर्भ धोने या स्नान करने का सम्बन्ध अनुष्ठानिक शुद्धिकरण से है। याजकों और लेवियों को वेदी के पास जाने से पहले और धार्मिक अवसरों पर अपने वस्त्रों और चेहरे, और कभी-कभी शरीर धोने की आवश्यकता होती थी (निर्ग 29:4; 30:19–21; 40:7, 12, 30–32; गिन 8:21)। मारे गए पशु के बलिदान से पहले, उसके पैरों और अंतड़ियों को धोया जाता था (लैव्य 1:9, 13; 8:21; 9:14)। जो कोई भी पहले अशुद्ध था, उसे अनुष्ठानिक रूप से शुद्ध होने के लिए अपने वस्त्र धोने और स्नान करने की आवश्यकता होती थी (लैव्य 14:8–10; 15:5–11, 21–27)। उदाहरण के लिए, एक कोढ़ी जो चंगा हो गया था या कोई व्यक्ति जिसने प्रमेह का अनुभव किया था, उसे अशुद्ध माना जाता था और उसे धोने और स्नान करने की आवश्यकता होती थी। कोई भी वस्त्र जो अशुद्ध हो गया था, उसे अनुष्ठानिक रूप से शुद्ध करना आवश्यक था (लैव्य 6:27; 13:54)।

“धोने” का उपयोग पाप से शुद्धिकरण के लिए रूपक रूप में भी किया जाता है (भज 51:2; यशा 1:16; 4:4; यिर्म 2:22; 4:14; 1 कुरि 6:11; इब्रा 10:22)।